AUDIO
VIDEO
Play

भजन

तर्ज–ये जिंदगी उसी की है

ये आशिकी उन्ही की है, जो हमारे है पिया
हमको इश्को इलम दिया

1–दूर क्या नजीक क्या, कहने की ये बात है
मेरे धनी से तो मेरा, हमेशगी का साथ है
एक दूजे के हम, मेरे पिया की ये रसम
2–तुम सदा इस तरह, मेरे दिल में हो पिया
जब झुकाया सर जरा, और तुमको देख लिया
कौन समझेगा यहां, ये अनोखी दास्तां
3–आपके दिल में पिया, इश्क है गंजान गंज
ये वो सागर है पिया, जिसकी है तरंगें हम
आपमें मिल जायें हम, हम मे या समाओ तुम